**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 11-09-2026**

**सोलान(हिमाचल प्रदेश ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-11 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2026-09-12 | 2026-09-13 | 2026-09-14 | 2026-09-15 | 2026-09-16 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 2.0 | 3.0 | 5.0 | 4.0 | 4.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 30.0 | 30.0 | 28.0 | 28.0 | 28.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 20.0 | 20.0 | 20.0 | 19.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 76 | 78 | 83 | 82 | 82 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 56 | 58 | 53 | 52 | 52 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 6 | 6 | 5 | 5 | 5 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 77 | 79 | 86 | 81 | 77 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 1 | 1 | 6 | 6 | 6 |
| चेतावनी | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं |

## पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों के दौरान जिले में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। 11 से 15 सितम्बर, 2026 के बीच जिले के अधिकांश स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.0–30.0°C तथा 19.0–20.0°C के बीच रहने की संभावना है। उत्तर-पूर्व दिशा में हवा की गति 4.7–6.3 किमी/घंटा रहेगी। सापेक्षिक आर्द्रता 52–83 प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव करेगी।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

❖ जिले के लिए मौसम संबंधी कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

❖ फसलों पर कोई विशिष्ट प्रतिकूल प्रभाव अपेक्षित नहीं है।

## सामान्य सलाहकार:

□ मौसम साफ रहने की अवधि में खेतों में अंतर-सांस्कृतिक कृषि कार्य, जैसे हाथ से निराई-गुड़ाई तथा पौधों के चारों ओर मिट्टी चढ़ाने (अर्थिंग-अप) का कार्य समय पर करने की सलाह दी जाती है। □ बागों में उचित वायु संचार बनाए रखने के लिए खरपतवार एवं अनावश्यक झाड़ियों की नियमित सफाई करें। □ रोग के प्रसार को रोकने के लिए संक्रमित फलों एवं रोगग्रस्त प्ररोहों को तत्काल हटाकर सुरक्षित रूप से नष्ट करें। □ पशुओं को वर्षा एवं नमी से बचाने के लिए सूखे, स्वच्छ एवं हवादार आश्रय में रखें तथा उन्हें स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराएं। □

| |
|---|
| जलभराव की स्थिति से बचने के लिए खेतों एवं बागों की जल निकासी नालियों की नियमित सफाई कर पानी का सुचारु प्रवाह सुनिश्चित करें। □ कृषि-मौसम संबंधी सलाह एवं स्थानीय भाषा में मौसम आधारित कृषि जानकारी प्राप्त करने के लिए Meghdoot ऐप का नियमित उपयोग करें। |

## लघु संदेश सलाहकार:

| |
|---|
| □ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने खेतों में रबी मौसम की फसलों की सीधी बुवाई के लिए क्यारियां तैयार करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सेब | • लगातार बादल छाए रहने तथा अधिक आर्द्रता की स्थिति में बागानों में किसी भी प्रकार के रसायन का छिड़काव न करें। खरपतवार एवं झाड़ियों को हटाकर बागानों में वायु संचार बेहतर बनाए रखें। • किसान वर्षा के दौरान अथवा वर्षा रुकने के तुरंत बाद फल तुड़ाई का कार्य स्थगित रखें। • पौधों के थालों में गिरे एवं रोगग्रस्त फलों को नियमित रूप से एकत्रित कर नष्ट करें, ताकि रोग के संक्रमण एवं प्रसार को प्रभावी ढंग से रोका जा सके। |
| पालक | □ किसानों को फसल की बुवाई करने की सलाह दी जाती है। □ अच्छे अंकुरण और फसल की अच्छी बढ़त के लिए, सितंबर के पहले पखवाड़े में साफ मौसम के दौरान पालक की बुवाई करें। □ बीज की मात्रा: 25-30 किग्रा/हेक्टेयर, 2-2.5 किग्रा/बीघा; पौधों के बीच की दूरी: 30x10 सेमी। |
| टमाटर | • परिपक्व फलों की समय पर तुड़ाई करें। • बकआई रॉट (Buckeye rot) एवं झुलसा रोग (Blight) के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। रोग के लक्षण दिखाई देने पर संक्रमित पौधों अथवा पौधों के भागों को तुरंत खेत से निकालकर मिट्टी में दबा दें। • फलों को मिट्टी के सीधे संपर्क में आने से बचाएं, ताकि सड़न एवं रोगों के संक्रमण की संभावना कम हो सके। • तना एवं फल छेदक कीट के नियंत्रण हेतु संक्रमित फलों की नियमित रूप से हाथ से तुड़ाई करें तथा उनका उचित निपटान करें। |
| गोभी | कोल फसलों की बुआई के लिए नर्सरी बेड तैयार करें। |
| अदरक | • खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें तथा जल निकासी नालियों को खरपतवार मुक्त रखें। • गठी सड़न रोग (Rhizome Rot) रोग की नियमित निगरानी करें। रोगग्रस्त, पीली एवं सूखी पत्तियों को पौधों से हटाकर खेत से बाहर निकालें, ताकि रोग के प्रसार को रोका जा सके। |
| कद्दू | □ कद्दूवर्गीय फसलों में हानिकारक कीटों के प्रकोप की नियमित निगरानी करें तथा बेलों को उचित सहारा देने के लिए स्टेकिंग करें। □ फल मक्खी के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। नियंत्रण हेतु प्रति बीघा 2 फेरोमोन ट्रैप लगाएं तथा समय-समय पर ट्रैप की स्थिति की जांच करते रहें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | □ मानसून के दौरान खुरपका-मुंहपका (Foot and Mouth Disease–FMD) एवं ब्लैक क्वार्टर (Black Quarter–B.Q.) जैसी संक्रामक बीमारियों की संभावना को देखते हुए पशुपालकों को अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराने की सलाह दी जाती है। |

## अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| पौध - संरक्षण | □ मिट्टी में नमी बनाए रखने, खरपतवारों की वृद्धि नियंत्रित करने तथा सतही जल बहाव को कम करने के लिए पौधों के आसपास सूखी पत्तियों जैसे जैविक मल्च का प्रयोग करें। □ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। |

## मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

| |
|---|
| - |

**प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):**

| |
|---|
| - |

**Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**